आनतोन और वह जंग

ओले कोनेक

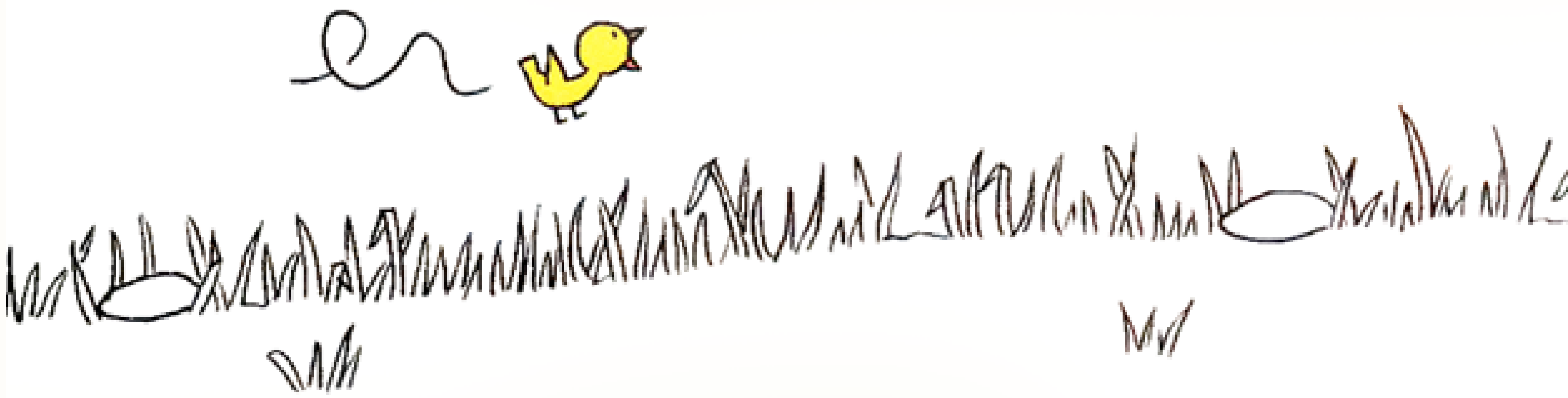
हिंदी: प्रयाग अविनाश जोशी



आनतोन और वह जंग

ओले कोनेक

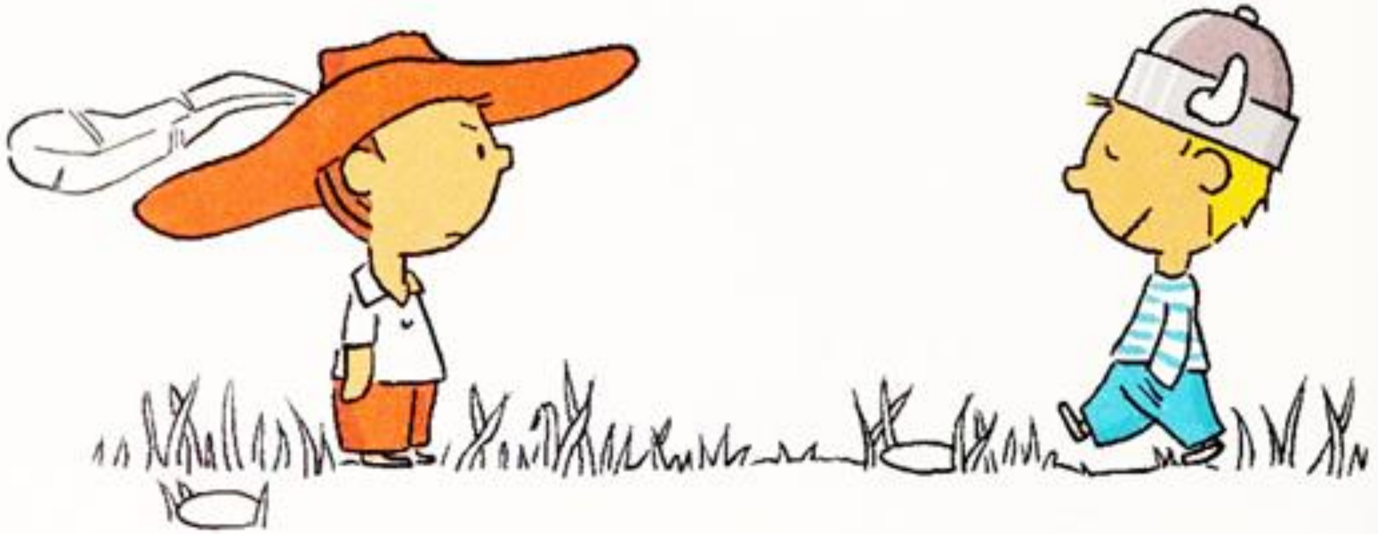
हिंदी : प्रयाग अविनाश जोशी



GECKO PRESS



यह आ रहा है आनतोन।



और यह आ रहा है ल्यूक।



"मैं तुमसे अधिक शक्तिमान हूँ," कहता है आनतोन।

"बहुत खूब!" कहता है ल्यूक।



"मैं **इतना** बड़ा पत्थर उठा सकता हूं," कहता है आनतोन।

"बस?" ललकारता है ल्यूक...

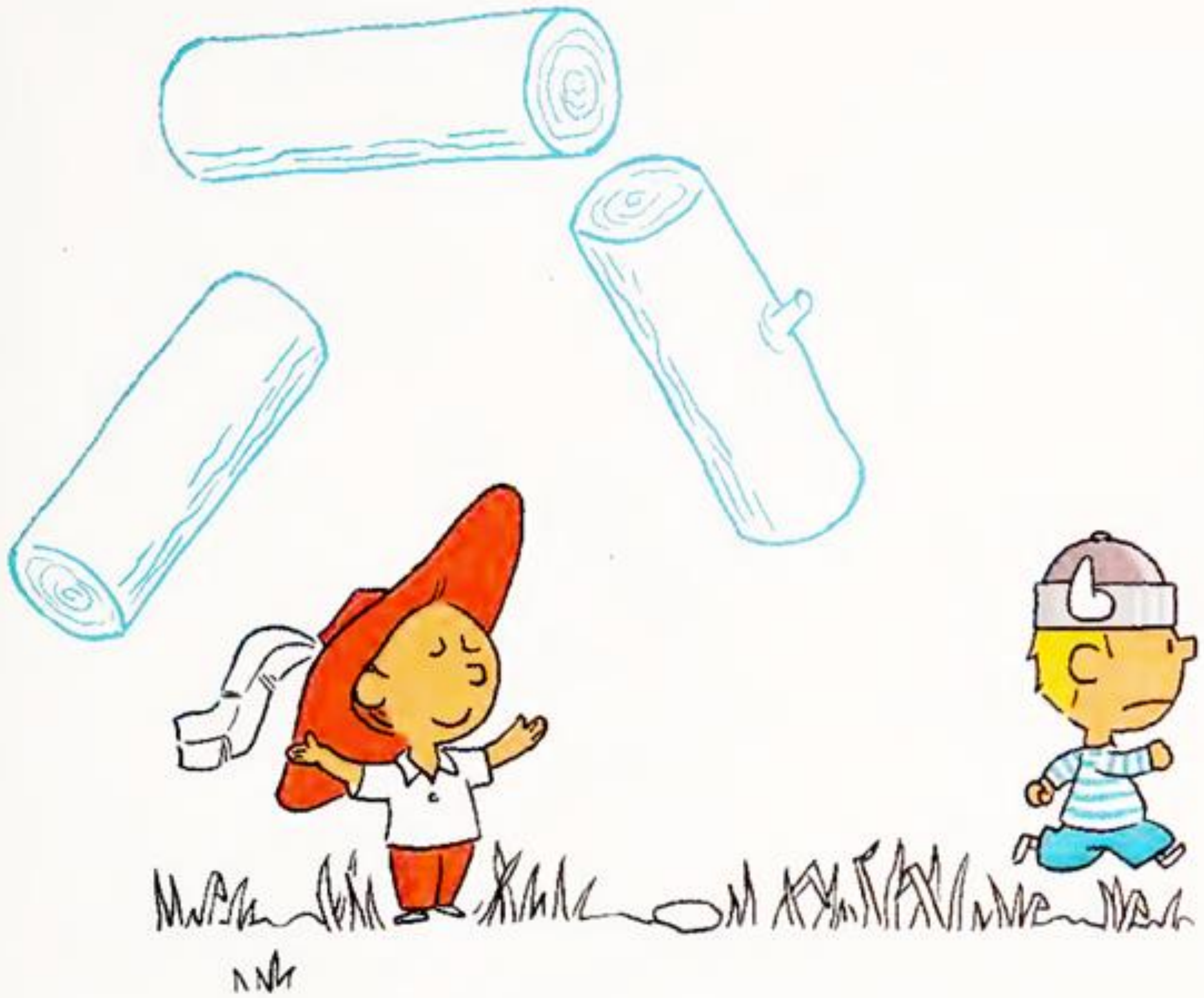


"मैं इतना बड़ा पत्थर उठा सकता हूँ!"

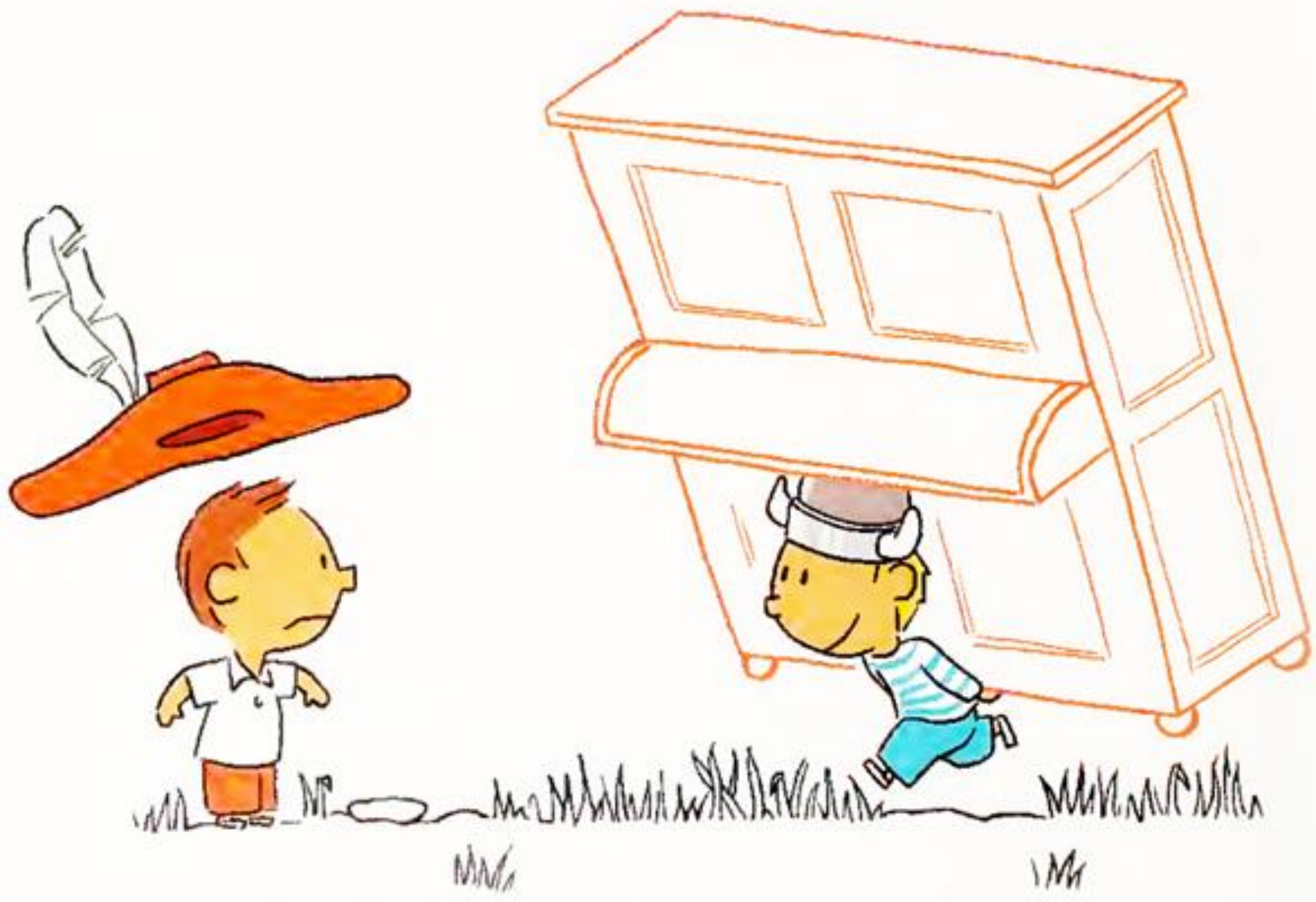
"फिर भी मैं तुमसे अधिक सबल हूँ।" कहता है आनतोन।



"मैं एक साथ तीन लट्ठे उठाकर ले जा सकता हूँ।"
कहता है आनतोन, "आसानी से।"



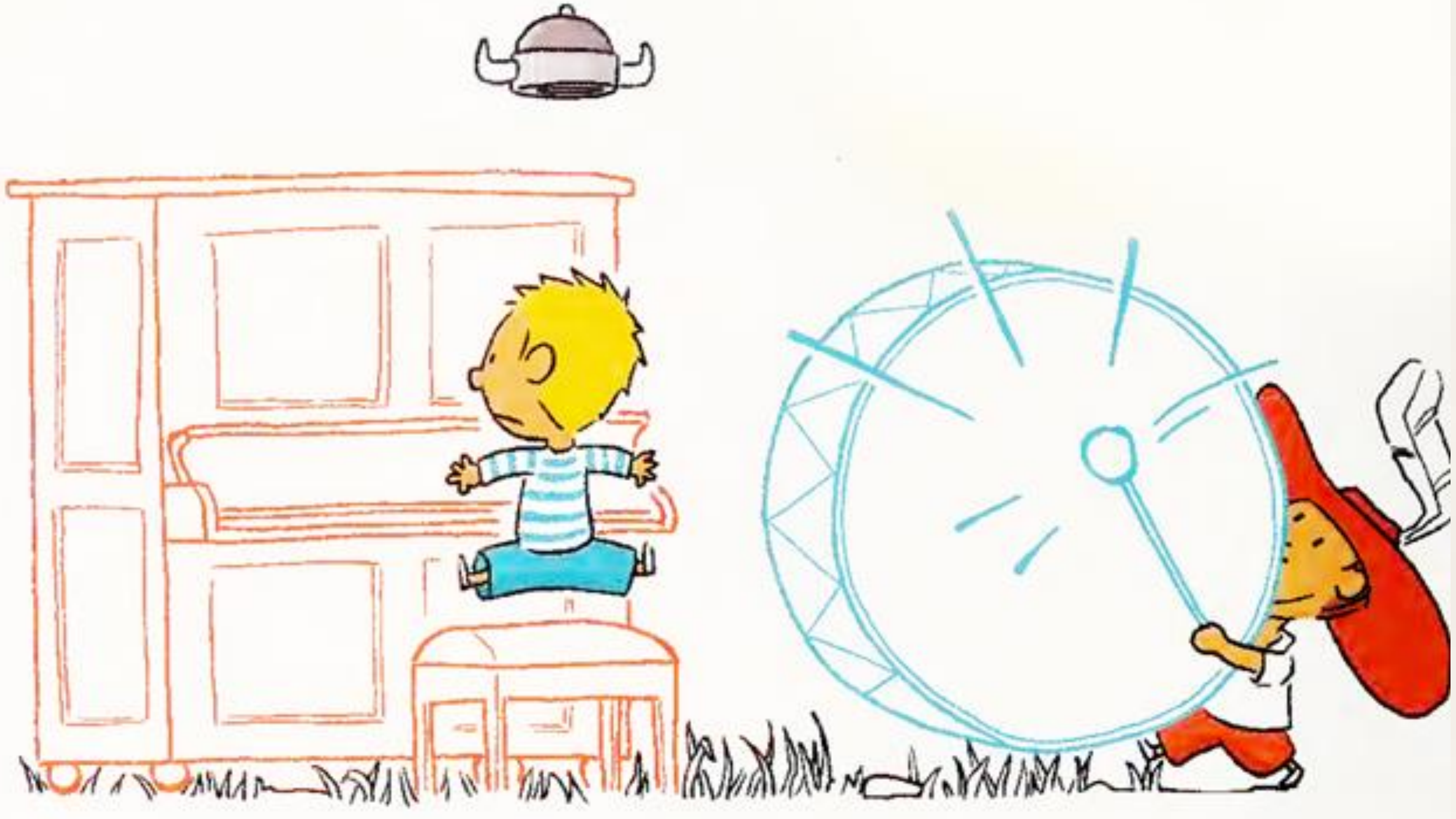
"बकवास!" कहता है ल्यूक।



"मैं पूरा पियानो उठाकर ले जा सकता हूँ।
मैं तुमसे अधिक शक्तिशाली हूँ।



और बहुत अधिक जोरदार।"



"मैं तुमसे भी ज़्यादा ज़ोरदार हूँ!" कहता है आनतोन।



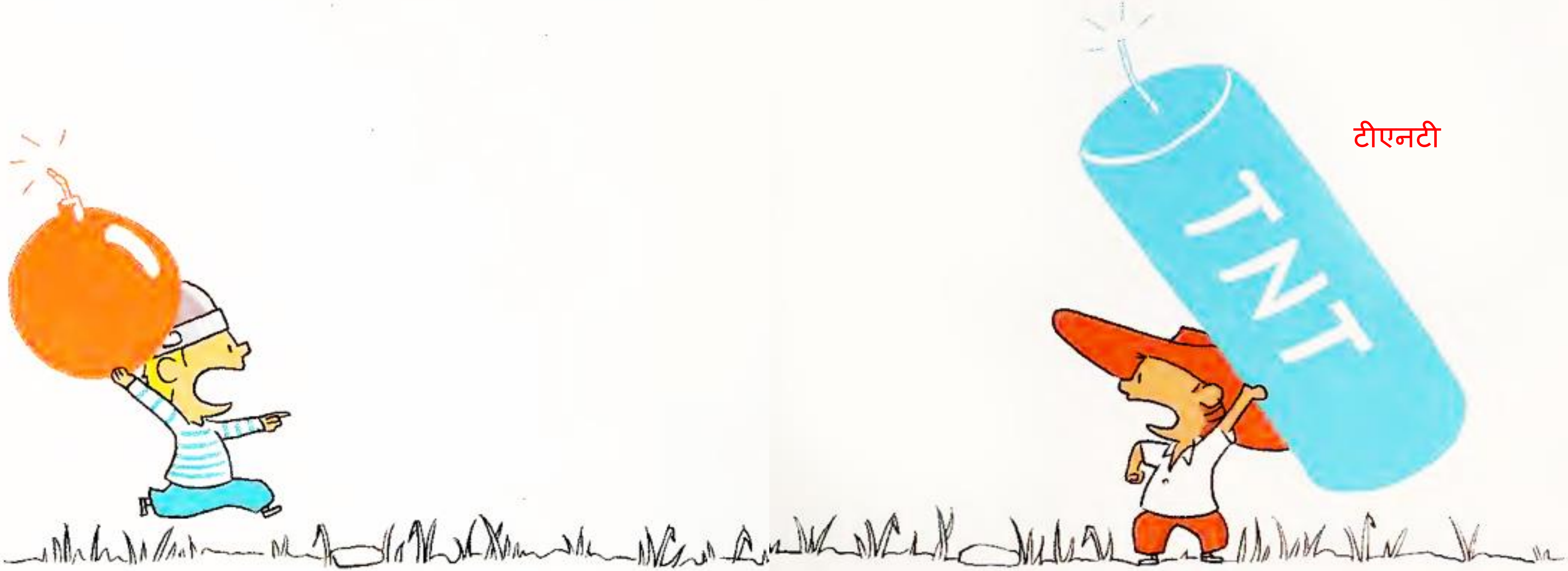
जोरदार! जोरदार!! जोरदार!!!



"मैं तुम्हें फूँक दूँगा!" चिल्लाता है ल्यूक।

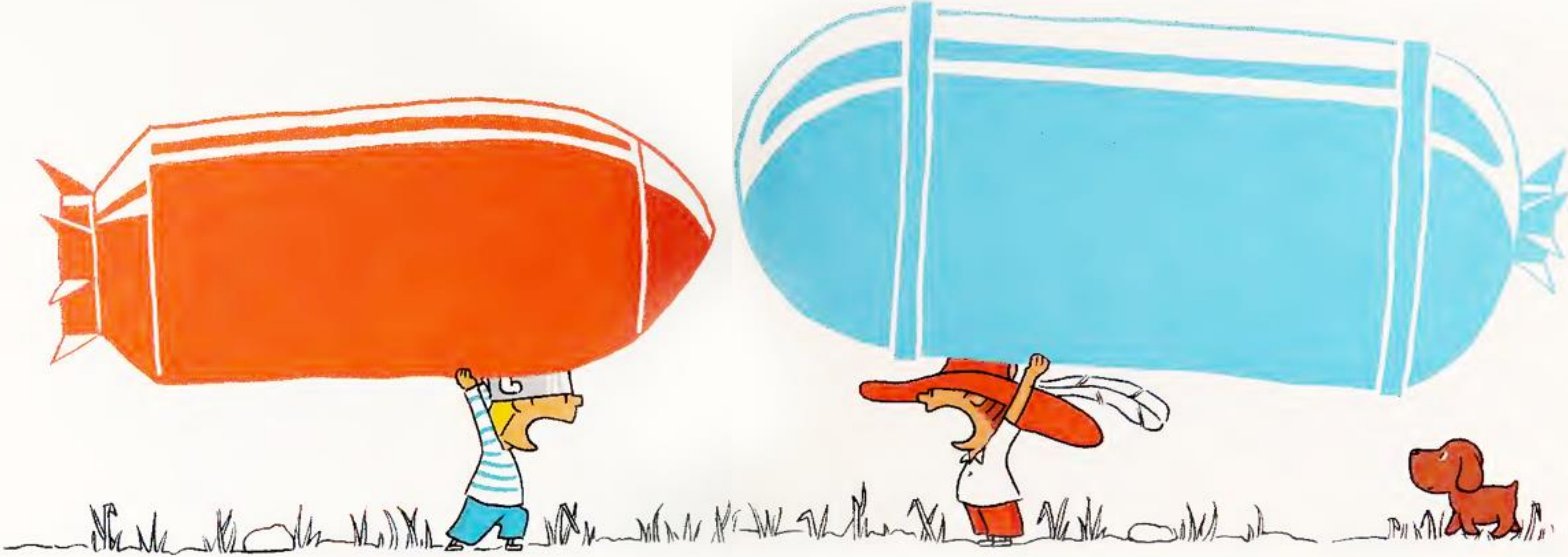


"मैं तुम्हें चपटा कर दूँगा!" चिल्लाता है आनतोन।



"मैं तुम्हें उड़ा दूँगा!”

"हिम्मत कर के तो दिखाओ! कर के तो दिखाओ!”



"मैं तुम्हारे सिर पर **इतना बड़ा** बम गिराऊंगा!”

"कोई परवाह नहीं! मेरा बम अधिक बड़ा है!
मैं अधिक बलवान हूँ!"



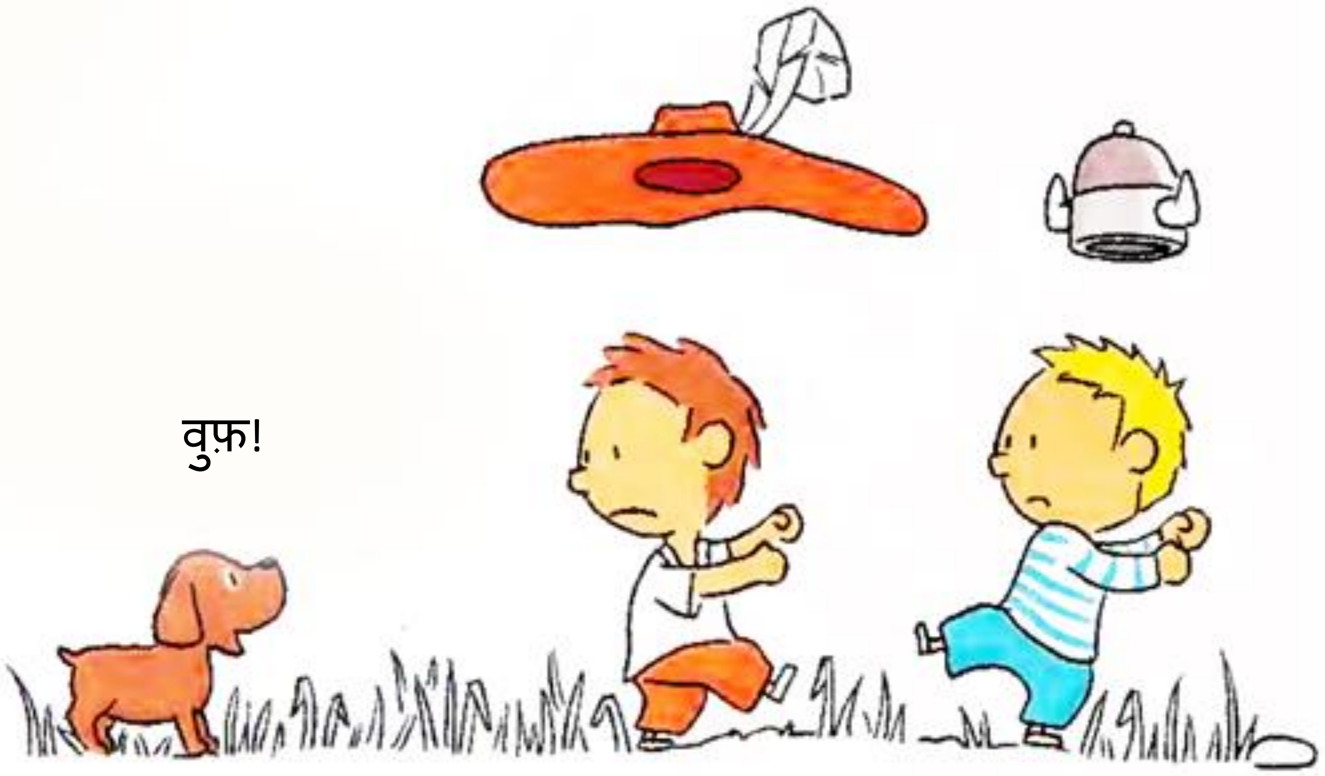
“बिल्कुल नहीं! मैं एक आदमखोर बाघ को अपने सिर पर झुला सकता हूँ!”

"किसे पड़ी है? मैं ऐसे ही शेर के साथ कर सकता हूँ। हा!”



"मैं चार सिर वाले ड्रॅगन को मार सकता हूँ!”

"मैं भी!" “मैं भी!”



उह-ओह! यहाँ तो कुत्ता है।



एक बड़ा कुत्ता।

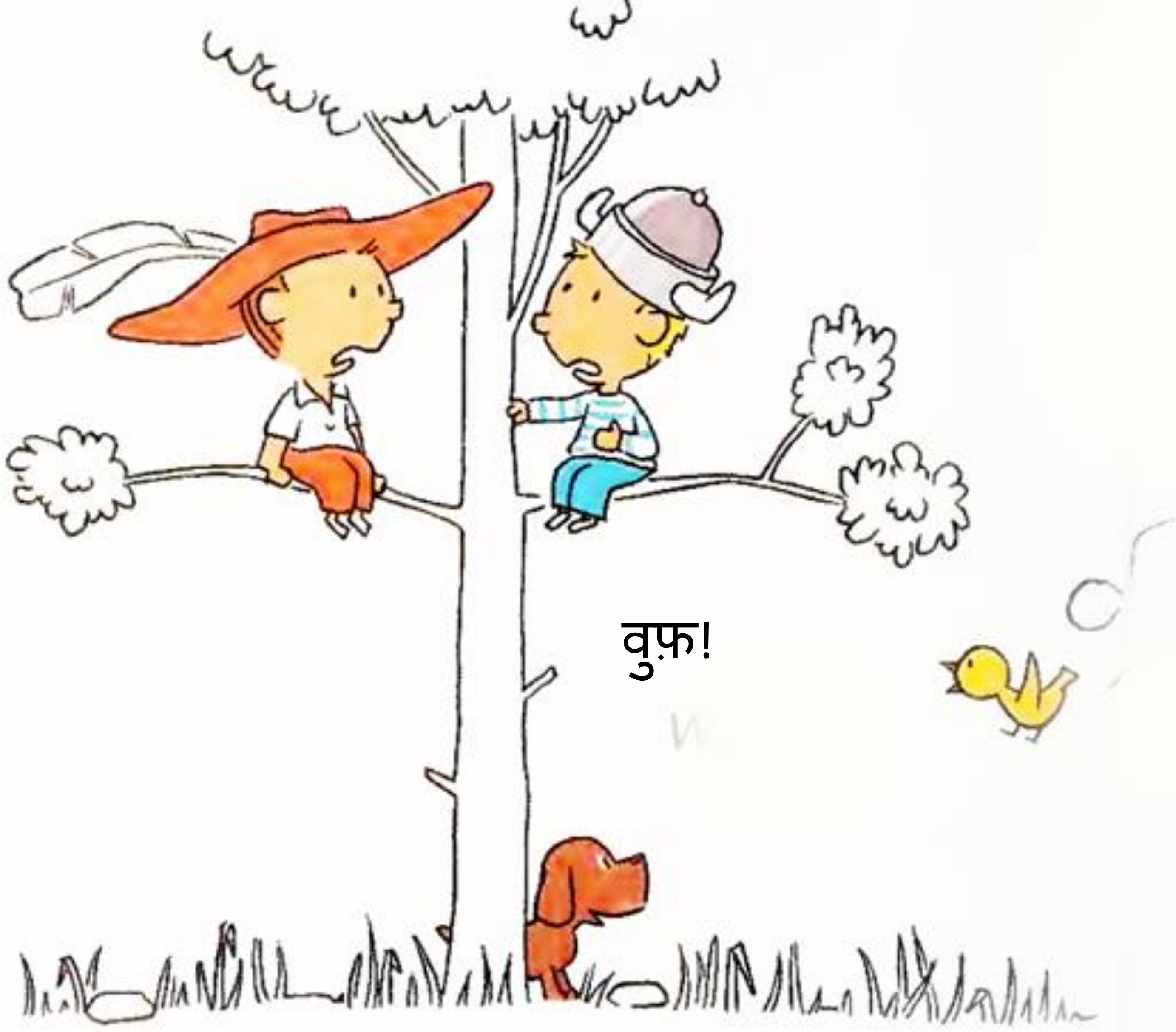


“वुफ़! चले जाओ!" चिल्लाता है आनतोन।

"दफ़ा हो जाओ!" चिल्लाता है ल्यूक।



लेकिन कुत्ता नहीं जा रहा।



"मैं घर जाना चाहता हूं।" कहता है आनतोन।

"मुझे भूख लगी है।" कहता है ल्यूक।

"मुझे तुमसे कहीं ज्यादा भूख लगी है।" कहता है आनतोन।



"मैं इतना बड़ा केक खा सकता हूँ!" कहता है आनतोन।

"मैं **इतना** बड़ा खा सकता हूँ!" कहता है ल्यूक।



"मैं इतना बड़ा रस का गिलास पीता।"

"मैं **इतना** बड़ा गिलास पीता। एक विशाल स्ट्रॉ के साथ!"



"देखो, कुत्ता चला गया।"

"हम घर जा सकते हैं!"



“मैं तेज़ हूं," कहता है आनतोन।

"मैं अधिक तेज़ हूँ!” कहता है ल्यूक।

ओले कोनेक का जन्म 1961 में हुआ था और उनका बचपन स्वीडन में बीता।

वे अब स्वच्छंद (फ्रीलांस) चित्रकार के रूप में हामबुर्ग, जर्मनी में काम करते हैं।

उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए हैं।

आनतोन शक्तिशाली है,

और ल्यूक भी।

लेकिन अधिक सबल कौन है?

